अध्याय – 5
आवागमन के सार्वजनिक साधन

एक स्थान से दूसरे स्थान पर जाने के लिए आजकल समय बचाने के लिए आवागमन के विभिन्न साधनों का जैसे बस, रेल, हवाई जहाज आदि का उपयोग किया जाता है। प्रस्तुत अध्याय में हम सामान्यतः काम में लेने वाले साधनों की जानकारी प्राप्त करेंगे।

रेलवे व बस समय सारिणी एवं मार्ग के नक्शे पढ़ना

आज के युग में समय प्रबन्धन करना बहुत जरूरी है क्योंकि प्रतिस्पर्धा के इस युग में प्रत्येक व्यक्ति का यही प्रयास होना चाहिए कि कम समय में अधिक काम हो। रेल व बस से यात्रा करने से पहले इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि रेलवे स्टेशन या बस स्टेशन पर आपका अधिक समय बर्बाद न हो । इसके लिए पहले से हमें इस बात की जानकारी होनी चाहिए कि स्टेशन से अमुक रेल या बस कितने बजे रवाना होगी । स्टेशन से रवाना होने के बाद कौनसे स्टेशन पर कितने समय रूकेगी तथा अंतिम स्टेशन पर कितने बजे पहुँचेगी । इन सब के लिए आवश्यक है कि हमें रेलमार्गों एवं रोड़वेज एवं निजी बस सेवाओं के आवागमन एवं पहुँच के सही समय की जानकारी हो । इस प्रकार की जानकारी के लिए रेल व बस समय सारिणी तथा विभिन्न मार्गों के नक्शों को देखना, समझना व रेलवे से सम्बन्धित अन्य आवश्यक जानकारी करने सम्बन्धी ज्ञान आवश्यक है ।

रेलवे समय सारणी:–

सभी रेलवे स्टेशन पर वहाँ आने वाली तथा वहाँ से जाने वाली रेलों के नम्बर, आगमन समय तथा प्रस्थान समय से सम्बन्धित समय सारणी दी हुई होती है जिससे स्टेशन पर यात्री खुद भी आने व जाने वाली रेलों के निश्चित समय की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं । कई बड़े रेलवे स्टेशनों एवं जंक्शनों पर रेलवे की मुद्रित समय सारणी भी मिल जाती है । स्टेशन पर रेलवे समय सारणी अधिकांशतया हिन्दी व अंग्रेजी में मिलती है ताकि आम आदमी इसे पढ़ सके । इसके अतिरिक्त आजकल नेट पर भी रेलवे व बस समय सारणी देखी जा सकती है ।

रेल विभाग सामान्यतया आवश्यकतानुसार वर्ष में दो बार समय में परिवर्तन करता है । छपी हुई रेलवे सारणी से हमें निम्नलिखित बातों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है ।

1. अमुक रेल किस–किस स्टेशन पर कितने–कितने बजे पहुँचती है ।
2. ए.बी.सी. क्रम में रेलवे स्टेशनों की सूची ।
3. रेलवे से सम्बन्धित अधिकारियों के टेलीफोन व मोबाईल नम्बर ।
4. रेलवे का आगमन व प्रस्थान समय।
5. आरक्षण, किराया तथा दूरी आदि की जानकारी ।

यहाँ पर उदाहरण के लिए उत्तरी–पश्चिमी रेलवे खण्ड में अजमेर से जबलपुर के मध्य चलने वाली ''दयोदया एक्सप्रेस'' की समय सारिणी दी गई है।

दयोदया एक्सप्रेस (12182)					
अजमेर जंक्शन से जबलपुर					
चालन दिवस – प्रतिदिन					
उपलब्ध क्लास : 1 ए 2 ए 3 ए एस एल जी एन					
प्रकार–सुपर फास्ट			खण्ड–पश्चिमी मध्य रेलवे		ए.आर.पी–120 दिवस
क्र.सं.	स्टेशन कोड	स्टेशन का नाम	आगमन समय	प्रस्थान समय	दूरी (किमी में)
1	All	अजमेर जं.	–	15:30	0
2	KSG	किशनगढ़	15:56	15:58	29
3	FL	फुलेरा	16:37	16:39	80
4	JP	जयपुर	17:25	17:35	135
5	DPA	दुर्गापुरा	17:42	17:44	142
6	BNLW	वनस्थली निवाई	18:28	18:30	201
7	CKB	चौथ का बरवाड़ा	19:03	19:05	245
8	SWM	सवाईमाधोपुर	19:45	19:55	266
9	KOTA	कोटा जं.	21:20	21:35	374
10	ATH	अंन्ता	22:08	22:10	419
11	BAZ	बाँरा	22:25	22:30	441
12	CAG	छबड़ा गुगोर	23:10	23:12	499
13	RTA	रूथिवाई	00:15 दूसरे दिन	00:20 दूसरे दिन	538
14	GUNA	गुना	00:45 दूसरे दिन	00:50 दूसरे दिन	559
15	ASKN	अशोक नगर	01:26 दूसरे दिन	01:28 दूसरे दिन	603
16	MNV	मुंगोली	02:07 दूसरे दिन	02:09 दूसरे दिन	649
17	MAKR	मलखेड़ी	03:10 दूसरे दिन	03:12 दूसरे दिन	679
18	SGO	सौगोर	04:11 दूसरे दिन	04:13 दूसरे दिन	749
19	DMO	दमोह	05:16 दूसरे दिन	05:18 दूसरे दिन	827
20	KTE	कटनी	07:05 दूसरे दिन	07:15 दूसरे दिन	938
21	SHR	सिहोरा रोड़	07:56 दूसरे दिन	07:58 दूसरे दिन	990
22	JBP	जबलपुर	08:45 दूसरे दिन	गन्तव्य	1028

उपरोक्त सारणी से स्पष्ट हो जाता है कि 'दयोदया एक्सप्रेस' कितने बजे कौनसे स्टेशन पर पहुँचती है । सारणी के अन्तिम खाने में अजमेर से विभिन्न स्टेशनों की दूरी दी गई है । आप बता सकते हैं कि अजमेर से जबलपुर रेल रास्ते से कितनी दूर है ? सारणी में ज्ञात किया जा सकता हे कि यह दूरी 1028 किमी है। जयपुर से बाँरा कितनी दूर है ? जयपुर के सामने 135 लिखा है तथा बाँरा के सामने 441 लिखा है । इन दोनों राशियों का अन्तर 441–135 = 306 है अर्थात् जयपुर से बाँरा 306 किमी दूर है । इस प्रकार हम एक स्टेशन से दूसरे स्टेशन के मध्य दूरी ज्ञात कर सकते हैं । समय सारणी के अलावा नक्शे से रेल मार्ग की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं । यह रेल कौन–कौन से शहरों या नगरों से होकर गुजरती है ।

बस समय सारणी

प्रत्येक रोड़वेज बस स्टेण्ड पर एक सूचना पट्ट पर वहाँ आने वाली व जाने वाली बसों का समय व किराया लिखा हुआ होता है । सूचना पट्ट पर लम्बी दूरी की प्रत्येक बस के मार्ग में पड़ने वाले मुख्य शहरों व कस्बों के बस स्टेण्ड पर पहुँचने का समय भी लिखा होता है । आप अपने शहर,, कस्बे के बस स्टेण्ड पर जाकर मालूम कर सकते है कि कौनसी बस अमुक स्थान से कितने बजे रवाना होगी तथा वहाँ पर कितने बजे पहुँचेगी।

नीचे एक बस समय सारणी का नमूना दिया गया है –

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम

बस स्टेण्ड बीकानेर		
समय सारणी		
बस स्टेण्ड	**समय**	**किराया (रू.में)**
बीकानेर	2:30 अपरान्ह बजे	–
देशनोक	3:00 अपरान्ह	30
नोखा	4:50 अपरान्ह	100
नागौर	6:00 सायं	150
मेड़ता	8:15 रात्रि	180
पुष्कर	9:30 रात्रि	225
अजमेर बस स्टेण्ड	10:00 रात्रि	250

मार्ग के नक्शे पढ़नाः–

आज के युग में प्रत्येक व्यक्ति को एक शहर से दूसरे शहर में किसी न किसी काम से दूसरे ाहर आना जाना होता है । आवागमन की सुविधा के कारण पर्यटन में वृद्धि हो रही है । बड़े शहरों में घूमने के लिए हमें मार्गदर्शक की आवश्यकता होती है । परन्तु यदि हमें किसी शहर की यात्री मार्ग दर्शिका मिल जाए (जो कि पर्यटन विभाग समय–समय पर प्रकाशित करता है) तो बिना मार्गदर्शक हम स्वयं भी वांछित स्थानों व शहरों में जा सकते है । 'यात्री मार्गदर्शिका' में किसी भी शहर के प्रमुख बाजारों व दर्शनीय स्थलों को दर्शाया जाता है । कहीं कहीं पर नई बस्तियों में नक्शा बोर्ड या पत्थर पर भी दिया गया होता है । हम इसकी सहायता से वांछित स्थान पर पहुँच सकते हैं । इसलिए हमें नक्शों की जानकारी होनी चाहिए ।

नक्शे में तीर का निशान दिशा सूचक है । इस तरह के नक्शे मार्गदर्शिका में जगह जगह पर होते हैं । कल्पना करो कि आप जयपुर में सिंधी केम्प रोड़वेज बस स्टेण्ड पर खड़े है । आपको 'सवाई मानसिंह चिकित्सालय' जाना है, तो बताइये आप कहाँ होकर जायेंगे ? तथा यह कैसे मालूम करेंगे कि आप दिये गये नक्शे से सही चल रहे हैं ?

इसी प्रकार बड़े शहरों के नक्शों को पढ़कर हम भली प्रकार यात्रा कर सकते हैं । नक्शों में प्रमुख दर्शनीय स्थान, बाजार, स्मारक, बस स्टेण्ड, अस्पताल, महाविद्यालय, होटल, बाग–बगीचे, खेल मैंदान आदि के स्थानों के संकेत भी दिए होते हैं ।

क्रियान्वतिः–

1. सबसे पहले रेल व बस सारणी एवं नक्शे देखने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला जाना चाहिए ।

2. नक्शों व समय सारणी में काम में लिए गये विभिन्न चिन्हों की जानकारी देकर समय सारणी एवं नक्शे देखने की प्रक्रिया से अवगत करवाना चाहिए ।

3. किसी एक शहर से अन्य शहर की दूरी एवं निकटतम मार्ग के जानने की क्रिया से अवगत कराना।

4. विद्यार्थियों को रेलवे स्टेशन एवं बस स्टेण्ड ले जाकर समय–सारणी एवं नक्शों का व्यावहारिक अनुभव देना चाहिए ।

5. विद्यार्थियों को रेल/बस सारिणी एवं उनके मार्गों के नक्शों का उपयोग करने हेतु उन्हें देखने का अभ्यास करना ।

अन्यास प्रश्न–

वस्तुनिष्ठ प्रश्नः–

प्रश्न 1 रेलवे व बस स्टेशन पर जाने से पहले किस बात का ध्यान रखना चाहिए?

अ. समय ब. नक्शा स. चिन्ह द. तीनों

प्रश्न 2 रेल विभाग साल में, रेलों के समय में कितनी बार परिवर्तन करता है?

अ. चार बार ब. दो बार स. तीन बार द. एक बार

लघुत्तरात्मक प्रश्न

प्रश्न 1 रेलवे सारणी से हमें किन–किन बातों की जानकारी प्राप्त होती है ?

प्रश्न 2 अजमेर से जबलपुर रेल रास्ते से कितनी किमी दूरी है ?

प्रश्न 3 रेलवे स्टेशनों पर अधिकांशतः समय सारिणी किन भाषाओं में लिखी रहती है ?

निबन्धात्मक प्रश्न

प्रश्न 1. रेलवे/बस स्टेण्ड पर जाने से पहले यात्री को किन–किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ?

प्रश्न 2 ''आवागमन के सार्वजनिक साधनों का प्रयोग करते समय हमारी नैतिक जिम्मेदारी'' विषय पर एक लेख लिखिए।

उत्तरमाला (वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

1 (अ) 2 (ब)